गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के शहरी क्षेत्र में प्रदूषण

1111. **श्री चीमनभाई हरिभाई शुक्ला** : क्या **पर्यावरण और वन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि **:**

(क) गुजरात, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश में शहरी वायु, जल और ध्वनि संबंधी प्रदूषण का मौजूदा परिमाण कितना-कितना है;

(ख) वर्तमान शताब्दी के अंत तक प्रदूषण की स्थिति होगी;

(ग) क्या सरकार ने इस संकट का मुकाबला करने के लिए कोई समयबद्ध ठोस कार्यक्रम तैयार किया है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ड) यदि नही, तो इसके क्या कारण है?

पर्यावरण और वन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री बाबू लाल मरांडी) : (क) केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, राज्य प्रदूषण बोर्डो के समन्वय से, देश के मुख्य शहरों में वायु, जल तथा ध्वनि प्रदूषण की निरन्तर मॉनीटरिंग कर रहा है।

गुजरात, महाराष्ट्र तथा मध्य प्रदेश के शहरी केन्द्रों में वायु, जल तथा ध्वनि प्रदूषण के स्तरों को दर्शाने वाला एक विवरणा संलग्न है। (**नीचे देखिए**)

हाल ही के मानीटरिंग परिणाम दर्शाते हैं कि अधिकतर शहरों में विसर्जित कण पदार्थ (एस पी एम) अधिक मात्रा में है तथा नाइट्रोजन के आक्साइड्स आमतौर पर निर्धारित सीमाओं के भीतर है।

अंकलेश्वर, बड़ौदा, सूरत तथा नागदा के आवासीय क्षेत्रों में सल्फर डाई-आइक्साइड अधिक मात्रा में पाया गया है। ये सभी शहर औद्योगिक प्रकृति के हैं तथा कच्ची सामग्री और पूर्ण उत्पादों के परिवहन की वजह से वाहन यातायात बढ़ा है जिसकी वजह से वायु में एस ओ-2 की मात्रा बढ़ती है।

स्थानीय प्राधिकरणों द्वारा मलजल शोधन संयंत्रों की स्थापना करके घरेलू अपशिष्ट जल के संग्रहण तथा शोधन में वृद्धि किए जाने की आवश्यकता है।

उपरोक्त तीन राज्यों के केवल भोपाल तथा मुम्बई नगरों के ध्वनि स्तरों का मूल्यांकन किया गया है। औद्योगिक क्षेत्रों में ध्वनि स्तरों को निर्धारित सीमाओं के भीतर पाया गया है लेकिन आवासीय, वाणिज्यिक तथा शान्त क्षेत्रों में ये सीमाओं से अधिक है। ध्वनि के उच्च स्तरों का कारण वाहन यातायात में बढ़ोत्तरी, डीजल जनरेटरों का प्रयोग तथा माइक्रोफोन है।

(ख) प्रदूषण की स्थिति, यदि कम नही की गई, तो शताबदी के अंत तक वर्तमान स्तरों से अधिक नही हो सकेगी, चूंकि सरकार देश में प्रदूषण नियंत्रण के लिए विभिन्न प्रशमक उपाय कर रही है।

(ग) से (ड) देश में प्रदूषण नियंत्रण के लिए भारत सरकार ने एक राष्ट्रीय कार्यक्रम तैयार किया है जिसमें, औद्योगिक, घरेलू , वाहन जनित, कृषि जनित तथा ध्वनि जैसे विभिन्न स्त्रोतों से होने वाले प्रदूषण के नियंत्रण हेतु एक समयबद्ध कार्य योजना शामिल है । यह योजना, सर्वोत्तम प्रौद्योगिकियों तथा प्रशिक्षित व्यक्तियों की सहायता से प्रदूषण नियंत्रण तथा ठोस अपशिष्टों, जैव-चिकित्सा अपशिष्टों तथा संकटमय अपशिष्टों के पर्यावरण की दृष्टि से अनुकूल ढंग से निपटान हेतु समन्वित अन्तः विभागीय कार्य नीति वाले समयबद्ध कार्यक्रमों के क्रियान्वयन को निर्धारित करती है।

विवरण

वार्षिक माध्य केन्द्रीकरण रेंज (यू जी/एम 3)

प्रदूषण स्तर	औद्योगिक		आवासीय	
	एस ओ 2 एवं एन ओ 2	एस पी एम	एसओ2 एंड एन ओ2	एसपीएम
निम्न	0-4	0-180	0-30	0-70
मध्यम	40-80	180-360	30-60	70-140
उच्च	80-120	360-540	60-90	140-210
अत्याधिक	>120	>540	>90	>210

वायु प्रदूषण – तालिका-1

गुजरात, महाराषट्र तथा मध्य प्रदेश के शहरों/कस्बों में वार्षिक औसत के आधार पर परिवेशी वायु गुणवत्ता स्थिति

राज्य/शहर	बुल्फर डाइ	आक्साइड	नाइट्रोजन	आक्साइड	एस पी	एम
क्षेत्र श्रेणी %	औद्योगिक	आवासीय	औद्योगिक	आवासीय	औद्योगिक	आवासीय
गुजरात						
अहमदाबाद	निम्न	मध्यम	निम्न	निम्न	मध्यम	अत्याधिक
अंकलेश्वर	उच्च	उच्च	निम्न	मध्यम	निम्न	उच्च
राजकोट	निम्न	निम्न	निम्न	निम्न	अत्याधिक	अत्याधिक
वापी	मध्यम	मध्यम	मध्यम	निम्न	मध्यम	उच्च
बड़ौदा	मध्यम	उच्च	निम्न	निम्न	मध्यम	अत्याधिक
सूरत	मध्यम	उच्च	निम्न	निम्न	मध्यम	अत्याधिक
महाराष्ट्र						
मुंबई	निम्न	निम्न	निम्न	मध्यम	-	-
चन्द्रपुर	निम्न	निम्न	मध्यम	मध्यम	निम्न	मध्यम
दोमबिवाली	निम्न	निम्न	निम्न	निम्न	मध्यम	उच्च
नागपुर	निम्न	निम्न	निम्न	निम्न	निम्न	अत्याधिक
नासिक	निम्न	मध्यम	निम्न	मध्यम	निम्न	उच्च
मध्य प्रदेश						
भिलाई	निम्न	निम्न	निम्न	मध्यम	मध्यम	अत्याधिक
भोपाल	निम्न	निम्न	निम्न	मध्यम	मध्यम	अत्याधिक
इंदौर	निम्न	निम्न	निम्न	निम्न	उच्च	अत्याधिक
जबलपुर	-	निम्न	-	निम्न	-	उच्च
कोरबा	-	निम्न	-	निम्न	-	अत्याधिक
नागदा	मध्यम	उच्च	मध्यम	निम्न	मध्यम	उच्च
सतना	निम्न	निम्न	निम्न	निम्न	मध्यम	उच्च
रायपुर	निम्न	निम्न	निम्न	निम्न	मध्यम	अत्याधिक

टिप्पणी : "-" डाटा उपलब्ध/पर्याप्त नही।

डीजल से चलने वाली कारों पर प्रतिबंध लगाया जाना

1112. **प्रो0 राम गोपाल यादव** :
श्री ईश दत्त यादव :

क्या **पर्यावरण और वन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि **:**

(क) क्या पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण प्राधिकरण, दिल्ली में डीजल से चलने वाली सभी नई और पुरानी निजी कारों पर प्रतिबंध लगाने के संबंध में गंभीरता से विचार कर रहा है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं तथा सरकार प्राधिकरण द्वारा उठाए गए इस कदम के संबंध में और किस ढ़ंग से सहयोग करेगी; और